वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 98 गुरुवार 1 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बजट सौगातों के लिए जनता ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

बजट में राज्य के विकास का 5 साल का रोडमैप मजबूत
बुनियादी ढांचा विकसित राज्य की आधारशिला: मुख्यमंत्री शर्मा

राज्य सरकार सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बुनियादी ढांचा एक विकसित राज्य की आधारशिला होता है। राज्य सरकार द्वारा इस आधारशिला को मजबूती देने के लिए बजट में स्वास्थ्य-शिक्षा के साथ सड़कों एवं बुनियादी ढ़ांचे के विकास पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में 5 साल के रोडमैप के साथ विकसित राजस्थान-2047 की संकल्प सिद्धि को पूरा करने की कटिबद्धता दिखाई गई है। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर बजट सौगातों के लिए पचपदरा विधानसभा क्षेत्र से आए निवासियों की आभार सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम बजट में लोक लुभावनी घोषणाएं की लेकिन उन घोषणाओं को धरातल पर नहीं उतारा गया जबकि हमने सरकार गठन के बाद पहले ही बजट में महिला, युवा, किसान, गरीब सहित सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए पर्याप्त प्रावधान किए हैं जो हमारी सरकार के विजन को दर्शाता है।

जनप्रतिनिधि आमजन से लगातार संपर्क एवं संवाद रखें

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि आमजन की समस्याओं से वाकिफ होने के लिए लगातार आमजन से संपर्क एवं संवाद करें। मंत्री सप्ताह में तीन दिन जयपुर में रहकर जनता की समस्याओं की सुनवाई करें तथा एक दिन विधायकों की सुनवाई के लिए रखें। उन्होंने कहा कि विधायक प्रत्येक 15 दिन में तथा मंत्री प्रत्येक 7 दिन में केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए समीक्षा करें।

विकसित राजस्थान की शुरूआत गांव के विकास से

शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के विकास की शुरूआत गांव की समृद्धि से होगी। गांवों में शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, बिजली सहित आधारभूत सुविधाओं सहित आधुनिक तकनीकयुक्त नवाचार किए जा रहे हैं जिससे गांव का निवासी शहर की तरफ पलायन नहीं करे। शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद कुछ राजनैतिक दलों द्वारा झूठे वादे किए गए तथा तुष्टिकरण की राजनीति एवं भ्रष्टाचार कर

आमजन को गुमराह किया गया लेकिन पिछले 10 वर्षों से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश में गरीब कल्याण, सीमा सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तीकरण के विभिन्न निर्णय लिए गए हैं जिससे विदेशों में भारत का सम्मान बढ़ा है।

पचपदरा को दी गई अनेक सौगातें

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पचपदरा के विकास के लिए बिजली, रिफाइनरी, चिकित्सा और कृषि प्रसंस्करण के क्षेत्र में अनेक घोषणाएं की हैं। पचपदरा एवं बोरावास में 132 केवी जीएसएस का निर्माण किया जायेगा जिससे इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होगी। साथ ही, पचपदरा रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों पर आधारित उद्योगों के लिए बालोतरा में राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) की स्थापना होगी। यह कदम क्षेत्र की आर्थिक तरक्की में अहम साबित होगा। उन्होंने कहा कि रणछोड़राय खेड़ तीर्थ में विभिन्न विकास कार्य करवाएंगे। अनूपगढ़, खेतड़ी, भिवाड़ी, बालोतरा, नाथद्वारा, रतनगढ़ व शाहपुरा (जयपुर) सहित 30 आईटीआई में आधारभूत सुविधाएं तथा बालोतरा जिला अस्पताल के भवन निर्माण के कार्य किए जायेंगे। इस दौरान विधायक अरूण चौधरी तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने पचपदरा क्षेत्र को बजट में दी गई सौगातों के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों ने मुख्यमंत्री का साफा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पचपदरा विधानसभा क्षेत्र के निवासी उपस्थित रहे।

भारतीय जैन युवा परिषद ने 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत वृक्षारोपण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन युवा परिषद परिवार की ओर से आज वृक्षारोपण का आयोजन ''एक पेड़ मां के नाम'' के तहत राजकीय प्राथमिक विद्यालय वरुण पथ जैन मंदिर के पास में किया गया। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र बोहरा बताया कि उपस्थित सभी सदस्यों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम को पूरी तरह सफल बनाने के लिए अपना सहयोग देने की शपथ ली। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने एक-एक पेड़ लगाकर उसे पेड़ को बड़ा होने तक की अपनी पूरी जिम्मेदारी ली। कार्यक्रम सयोजक विनोद जैन लदाना ने उपस्थित सभी सदस्यों को ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में शेखर रतन सोगानी, विजय पाटनी, राकेश मिथलेश काला, अनंत जैन, आलोक पाटनी, आकाश जैन, रानी पाटनी, रवि रावंका, अनिल पाटनी, नेमीचंद छाबड़ा, योगेश बड़जात्या, निशा जैन, सतीश कासलीवाल एवं वरुण पथ जैन समाज समिति की समस्त कार्यकारणी के सदस्य उपस्थित रहे।

भक्तामर काव्य 16 दिवसीय विधान की आराधना झंडारोहण के साथ शुरू

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नसिया अमीरगंज टोंक में सर्वसंकट निवारक, सुख समृद्धि दायक 16 दिवसीय वृहद भक्तामर काव्य आराधना विधान 31 जुलाई बुधवार से 15 अगस्त 2024 तक पावन सांनिध्य परम पूज्य बालाचार्य 108 श्रीनिपूर्ण नंदी जी महाराज के ससंघ में झंडारोहण के साथ बुधवार को प्रातः काल शुरू हुआ। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि बालाचार्य निपुण नंदी जी महाराज के ससंघ सानिध्य एवं पंडित मनोज कुमार जी शास्त्री बगरोही के सानिध्य में प्रतिदिन 16 दिन तक संकट निवारण सुख समृद्धि दायक विधान आयोजित होंगे भक्तामर स्त्रोत के 48 काव्य में से प्रतिदिन तीन काव्य की पूजा अर्चना की जाएगी जिसमें बुधवार को वाद विवाद, लकवा डिप्रेशन, अटैक सरदर्द, आंखों में रोग निवारण, नेत्र ज्योति वर्धन कान रोग नाशक हेतु गंभीर बीमारियों के निवारण के लिए इंद्र इंद्राणी ने पूजा अर्चना की जिसमें प्रतिदिन लगभग 10 से 15 परिवार पुण्य अजन करेंगे इस मौके पर बुधवार को प्रातःकाल झंडारोहन रिद्धि सिद्धि मंत्रो के साथ किया गया जिसका सौभाग्य नरेंद्र कुमार ओम प्रकाश पंकज कुमार ककोड़ वाले ने प्राप्त किया बालाचार्य नीपूर्ण जी महाराज ने कहा कि इन महामंडल के अंदर जो भी व्यक्ति बैठता है तो उनके जीवन में आने वाली बहुत सी परेशानियों से उसे छुटकारा मिल जाता है जो व्यक्ति अपने जीवन में धर्म कार्य करता रहता है उसे किसी भी तरह की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ता है। इस मौके पर बुधवार को दोपहर की बेला में 48 भक्तामर के 48 काव्य में प्रथम दिन तीन काव्य की पूजा अर्चना की गई जिसमें पुण्याजक परिवार महेंद्र कुमार सुरेंद्रकुमार सर्राफ, त्रिशला देवी, पुनीत कुमार बोरदा वाले प्रेमचंद हनुमान प्रसाद ताराचंद झालरा आदिनाथ महिला मंडल, बाहर से अनेक श्रद्धालु साहित अनेक इंद्र इंद्राणी सम्मिलित हुए।

दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप डायमंड की दो दिवसीय यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप डायमंड के 49 सदस्यीय दल ने दिनांक 27-28 जुलाई को एक धार्मिक व मनोरंजनीय यात्रा का आनंद लिया। ग्रुप अध्यक्ष राजेंद्र सेठी ने बताया कि यह यात्रा संस्थापक अध्यक्ष यश कमल अजमेरा के कुशल अनुभवी नेतृत्व व अमर चंद गंगवाल के संयोजकत्व में आयोजित हुई। यात्रा के प्रथम चरण में सदस्यों ने आलनपुर, सवाई माधोपुर के मंदिर के दर्शन किए और इन्दरगढ़ में शानदार मौसम के बीच मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक, शांति धारा व सामूहिक पूजा, भक्ति का आनंद लिया। यात्रा के द्वितीय चरण में कोटा स्थित दादाबाडी पहुंचे। यहां पर सदस्यों ने मूलनायक आदिनाथ भगवान का अभिषेक, शांतिधारा और पूजन का भरपूर लाभ उठाया। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने हरी भरी पहाड़ियों, बहते हुए झरनों व रिमझिम बरसती बरसात के बीच कोटा के प्राकृतिक सौन्दर्य और नवीन कोटा के दर्शनीय स्थलों को अपनी आँखों व कैमरे में कैद किया। यात्रा के अंत में ग्रुप सचिव अतुल छाबड़ा ने सभी सदस्यों को सहयोग के लिए व विभिन्न राजकीय विभागों से सहयोग प्राप्त कर यात्रा को सुगम बनाने के लिये ग्रुप समन्वयक भारत भूषण-शालिनी अजमेरा का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा सभी यात्रियों ने सुखद यादों के बीच एक दूसरे से विदाई ली।

तीये की बैठक

याद रहेंगे हमे सदा सद-संस्कार आपके, हम सदा बढ़ते रहेंगे, पथ पर आपके।
आप सदा जीवित हैं विचारों में हमारे, श्रद्धा-सुमन अर्पित है चरणों में आपके।।

1934-2024

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीय

श्रीमती राजदेवी

(धर्मपत्नी स्व. श्री लादू राम जी लुहाड़िया सांवर वाले)

का स्वर्गवास 31.07.2024 को हो गया है। जिनकी **तीये की बैठक** 02.08.2024 को प्रातः 10 बजे तोतूका भवन, भट्टारक जी की नसियां में होगी।

शोकाकुल

देवरानी कान्ता देवी

पुत्र-पुत्रवधू विनोद शास्त्री, रविन्द्र-बीना, आनन्द-प्रीति

भतीजे प्रमोद, सुबोध, प्रसन्न, पवन, पियुष, सन्तोष

जंवाई पुखराज जी पहाड़िया, त्रिलोक चन्द जी सौगाणी

ननद कान्ता बाकलीवाल

दोहिती-जंवाई भाषा-विनयजी

दोहिता-दोहिताबहु दीपक-रानू

पौत्र-पौत्रवधु विक्रम-नीता, मनोज-मेघना, रुबल-श्वेता, अंकित-शीन, आयुष-रुपाली

पड़पोते, पड़पोती गुनगुन, दीपक, मानव, रुशेता, खुश, आदिनाथ, तारुषी, अगम, टियाना

रिया **(पौत्री)**, चंचल-राजेश जी **(पौत्री-जंवाई)**

एवं समस्त लुहाड़िया परिवार मो. 9828076193, 9314933030, 9314561919

पीहर पक्ष: प्रेमचन्द, विजय कुमार एवं समस्त दीवान परिवार।

मैत्री ट्रेड फेयर का शुभारंभ 2 अगस्त से दुर्गापुरा में

जयपुर. शाबाश इंडिया

मैत्री ट्रेड फेयर का शुभारंभ दिनांक 2 अगस्त को जैन भवन प्रांगण, श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर परिसर, दुर्गापुरा, टोंक रोड जयपुर। प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक राखी एवं स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय ट्रेड फेयर का आयोजन समाज की महिला उधमियों को प्रोत्साहन करने हेतु दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री जयपुर के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। जहाँ साड़ी, सलवार सूट, ज्वेलरी, राखियां, बेडशीट, जीवन बीमा, बैग, स्टेशनरी, सभी प्रकार के परिधान, खिलौने, घर के उपकरण, सजावट की वस्तुएं, किचन प्रोडक्ट, गिफ्ट आइटम, खाद्य सामग्री, मसाले, डिजिटल मार्केटिंग व अन्य सामान उचित दरों में मिलेंगे साथ ही खरीदारी के साथ-साथ चटपटे व्यंजन का भी आनंद लिया जा सकेगा। कार्यक्रम का डिजिटल प्रचार प्रसार राजस्थान की अग्रणी डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी अरिहंत ग्लोबल सर्विसेज और मानव इनवाइट्स ने डिजिटल इन्विटेशन के द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम का उदघाटन डॉक्टर अरूण अग्रवाल (कार्यकारी अध्यक्षः फोर्टी, महासचिव राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के कर कमलों के द्वारा होगा, साथ में विशिष्ट अतिथि के रूप में जगदीश सोमानी (अध्यक्ष, वीकेआई एसोसिएशन जयपुर), ओमप्रकाश मोदी (समाजसेवी) एवं दीप प्रज्वलन कर्ता प्रमोद जी नीता जी जैन एवम समाज और संघटन के और अन्य कई पदाधिकारी गण मौजूद रहेंगे। साथ में हेल्थकेयर एसोसिएट के रूप में डॉक्टर सुनील धंड एवं टीम व सुमन गुप्ता (आनंद आई केयर हॉस्पिटल) वैकल्पिक दिवस के रूप में सेवाए प्रदान करेंगे।

> कार्यक्रम का डिजिटल प्रचार प्रसार राजस्थान की अग्रणी डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी अरिहंत ग्लोबल सर्विसेज और मानव इनवाइट्स ने डिजिटल इन्विटेशन के द्वारा किया जा रहा है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

ये जरूरी नहीं कि सब लोग हमें देखे, सुने और समझ भी ले.. क्योंकि तराजू सिर्फ वजन बता सकती है, क्वालिटी नहीं..!

सच तो यही है कि अभी हमको ना देखना आया, ना सुनना आया, और ना समझना आया --

- अभी हम देखने को देखते हैं, क्योंकि सब देख रहे हैं इसलिए हम भी देख रहे हैं।
- सुनने को हम सुन रहे हैं, पर जो हम कह रहे हैं, वो कोई भी नहीं सुन रहा है।
- समझने को हम समझ रहे हैं, पर सच यही है कि हम कुछ भी नहीं समझ रहे हैं, सिवाय अपने स्वार्थ के।

वर्षों वर्षों से विद्वान, पंडित, सन्त, आचार्य और साधुओं को सुनने के बाद भी हमारे जीवन में कोई परिवर्तन नहीं, ना व्यवहार में - ना आचार में। हमने कहा ना - अभी हम सन्तों को नहीं, अपने आपको, अपनी परम्परा को, अपनी मान्यता को ही सुनते हैं। हम वही सुनते हैं जिससे हमारी धारणा मजबूत होती है। जो हमें बदलता है उसे हम सुनते ही नहीं है। ध्यान रखना! सब साधु सन्त, पण्डित, विद्वान, पादरी अपनी परम्परा, मान्यता, पन्थ और सम्प्रदाय की गन्दगी को ही परोस रहे हैं। इसलिए जीवन में परिवर्तन नहीं आ रहा है। अभी हम धर्म के मर्म से बहुत दूर है। धर्म का मर्म है -- अहिंसा, संयम, दया, मैत्री, सदभाव, भाई चारा और परोपकार। अभी हम एक दूसरे को पीछे करने में लगे हैं। प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में दौड़ रहे हैं। प्रतिस्पर्धा की दौड़ का कोई अन्त नहीं है। जहाँ से प्रतिस्पर्धा की शुरूआत होती है वहीं से प्रेम, मैत्री, सदभाव और अपनापन समाप्त हो जाता है...। नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

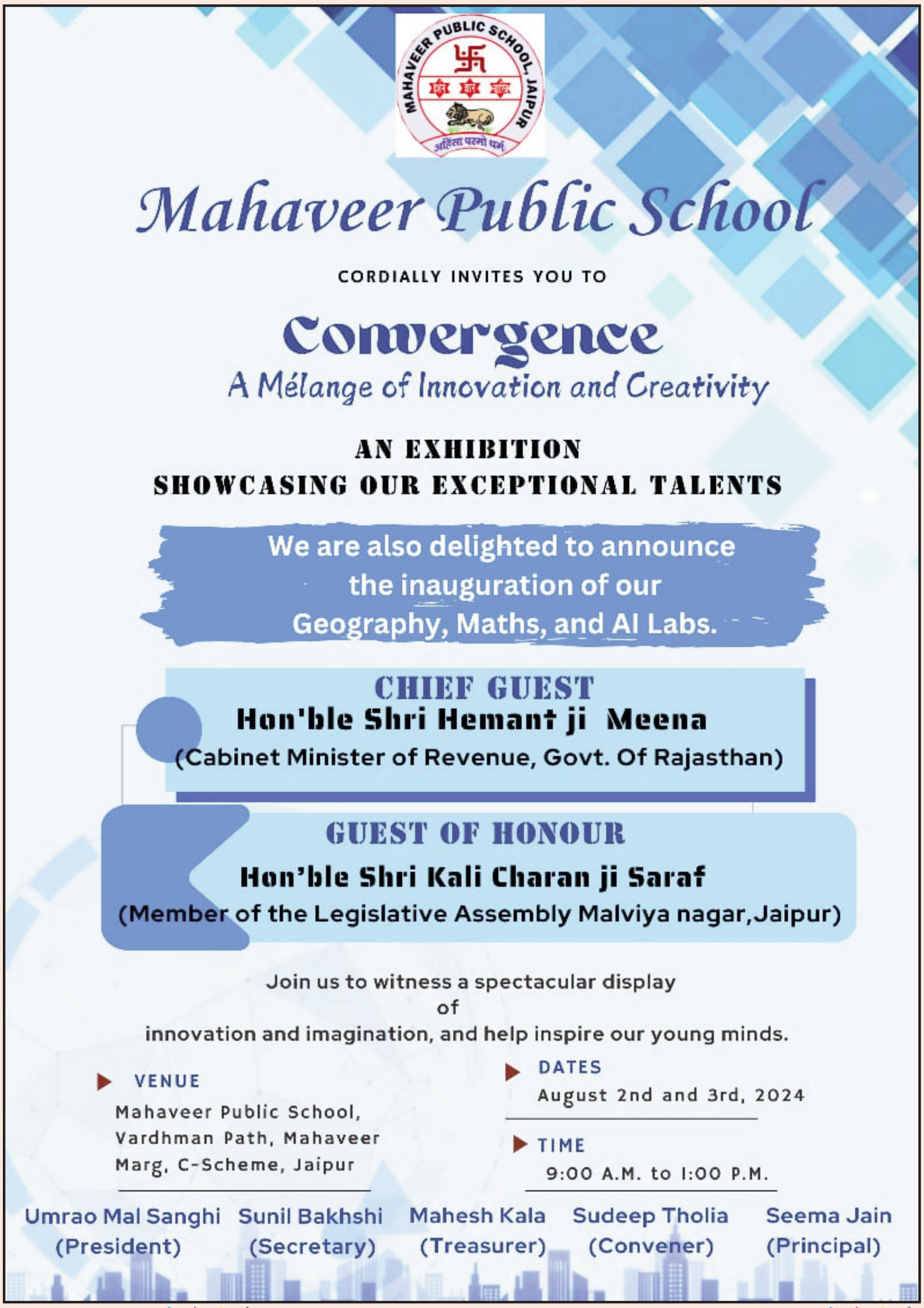

वेद ज्ञान

जनहित के कार्यों में लगाएं जीवन

एक-दूसरे के बगैर मनुष्य के अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसके हर सुख-दुख में उसका समाज सहभागी होता है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य का यह दायित्व बनता है कि वह दूसरों के हित को ध्यान में रखकर ही कर्म करे। जो व्यक्ति स्वयं की चिंता करने से पहले जनहित की सोचता है और उसी के अनुसार कार्य करता है, सच्चे अर्थों में वही मनुष्य है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि यदि दूसरों के दुखों को देखकर आपका मन विचलित नहीं होता तो आप कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन मनुष्य कदापि नहीं हो सकते। असल में ईश्वर ने हमें दूसरों की भलाई करने के लिए ही तमाम तरह की शक्तियां व सामर्थ्य दिया है। प्रकृति के कण-कण में भी दूसरों पर उपकार करने की भावना दिखती है। सूर्य, चंद्रमा, वायु, पेड़-पौधे, नदी आदि किसी स्वार्थ के बगैर दूसरों की सेवा में लगे हुए हैं। प्रकृति से सीख लेते हुए प्रत्येक मनुष्य को भी जनहित के कार्यों में अपने जीवन को समर्पित कर देना चाहिए। दूसरों के हित से बड़ा कोई धर्म नहीं होता है। हर व्यक्ति को दीन-दुखियों की सेवा भगवान की भक्ति समझकर करनी चाहिए। तुलसीदास जी कहते हैं कि दूसरों की भलाई के समान अन्य कोई श्रेष्ठ धर्म और दूसरों को कष्ट देने जैसा अन्य कोई पाप नहीं है। जब हम दूसरों की मदद करते हैं, तब वास्तव में हम अपनी ही मदद कर रहे होते हैं, क्योंकि दूसरों की सहायता करने से हमारा आत्मविश्वास व सहनशीलता बढ़ती है, जिससे हमारे विचार शुद्ध होते हैं और मन शांत रहता है। ऐसे में हमारा धैर्य हमें विचलित नहीं होने देता और मानसिक व शारीरिक बल कुछ करने का सामर्थ्य उत्पन्न करते हैं। कहने का सार यही है कि दूसरों की मदद करने में ही मनुष्य की प्रगति और उन्नति है। सच तो यह है कि यदि हम अपने कल्याण की न सोचकर समस्त प्राणियों की भलाई के बारे में सोचें तो इस धरती पर कहीं कोई समस्या ही शेष नहीं बचेगी। ऐसे में हमें यही मानकर चलना चाहिए कि ईश्वर ने हमें कोई भी वस्तु केवल स्वयं के उपभोग के लिए नहीं, बल्कि इसलिए दी है कि उससे ज्यादा से ज्यादा लोगों का भला हो सके। प्रत्येक व्यक्ति को यह मानना चाहिए कि उसका इतना दयित्व जरूर बनता है कि वह संसार को उतना अवश्य लौटा दे, जितना उसने इससे लिया है।

संपादकीय

वायनाड के भूस्खलन से सबक...

केरल के वायनाड में भूस्खलन से हुई भारी तबाही ने एक बार फिर अनियोजित विकास की ओर हमारा ध्यान खींचा है। कई जान चली गई है। उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक पहाड़ों का चरित्र कमोबेश एक जैसा ही है। हां, हिमालय के पहाड़ अभी तुलनात्मक रूप से नए जरूर हैं, जिसके कारण यहां की मिट्टी दक्षिण के पहाड़ों की तरह सख्त नहीं हुई है, पर उत्तर से लेकर दक्षिण तक भूस्खलन की जो घटनाएं हम देख रहे हैं, उनकी एक बड़ी वजह मानवीय गतिविधियां हैं।

हम विकास और निर्माण-कार्यों के नाम पर लगातार पहाड़ काट रहे हैं, लेकिन उसे दरकने से बचाने के लिए जिन-जिन उपायों की जरूरत है, उस पर बमुश्किल अमल कर पा रहे हैं। अब तो पहाड़ की चोटियों पर ऊंची इमारतें बनती दिखने लगी हैं। इसके लिए पेड़ों की जमकर कटाई की जाती है। जाहिर है, जब पत्थर को थामने वाले कुदरती साधनों को हम खत्म कर देंगे, तो पहाड़ टूटेंगे ही। रही-सही कसर मानसून पूरी कर देता है। इस मौसम में पहाड़ों पर दबाव बढ़ जाता है, जिस कारण वे भरभराकर गिरने लगते हैं। पिछले दिनों कर्नाटक में ऐसा ही हुआ था। अनियोजित विकास के हिमायती कहते हैं कि भौगोलिक परिस्थितियों के कारण भी भारत में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। निस्संदेह, पहाड़ खुद भी कभी-कभी भूस्खलन के माध्यम से स्थिर होते हैं। भूकंप भी वक्त-बेवक्त इसकी वजह बनते हैं। मगर हाल-फिलहाल की घटनाएं मूलतः उन जगहों पर ही दिखी हैं, जहां पर निर्माण-कार्य हुए हैं। जहां प्रकृति को बिल्कुल भी छेड़ा नहीं गया है, वहां से भूस्खलन की खबरें नहीं आई हैं। दिक्कत यह भी है कि हम विकास के नाम पर पहाड़ों के साथ खिलवाड़ तो करते हैं, लेकिन सुरक्षात्मक दीवार पुश्ता, जिसे रिटेनिंग वॉल कहते हैं, नहीं बनाते। विकास-कार्य बेशक होने चाहिए, क्योंकि पहाड़ पर रहने वाले लोगों को भी अच्छी सड़कों या इमारतों की जरूरत है, लेकिन ऐसा करते हुए उन उपायों को अमल में लाना चाहिए, जो इंसानी जान की सुरक्षा कर सकें। कई जगहों पर पहाड़ को काटने के बाद महज पांच फुट का रिटेनिंग वॉल लगाते मैंने देखा है। यह उचित नहीं है। उत्तराखंड में भूस्खलन की बढ़ी घटनाओं की यह एक बड़ी वजह है। हम चाहें, तो चिह्नित स्थानों पर कैंडलनट, ब्रेडफूट, बांस जैसे पेड़ अथवा वेटिवर जैसी घास भी लगा सकते हैं, जिनकी मजबूत जड़े.पहाड़ी मिट्टी को थामे रखने में काफी मददगार मानी जाती हैं। ऐसा नहीं है कि अपने देश में इस बाबत दिशा-निर्देश नहीं है। गाइडलाइन तैयार है, लेकिन उसका पालन ढंग से नहीं हो रहा। इसके लिए हमें स्थानीय निकायों पर भरोसा करना होगा। जब तक उनको इस अभियान में शामिल नहीं करेंगे, हरेक मानसून में तबाही की खबरें आती रहेंगी। नियमों का पालन स्थानीय निकाय ही सुनिश्चित कर सकते हैं। उनको पता होता है कि निर्माण-कार्यों की वजह से कहां कितनी अस्थिरता हुई है और उसे स्थिर करने के लिए किस तरह के उपाय किए जाने चाहिए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कम शुल्क दर से बढ़ेगा निर्यात

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने करीब 50 उत्पादों पर सीमा शुल्क कम करने का जो निर्णय लिया है वह स्वागतयोग्य है। इसे देश की बाह्य प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के प्रयास से जुड़े कदम के रूप में भी देखा जा सकता है। उन्होंने अगले छह महीने में सीमा शुल्क ढांचे की व्यापक समीक्षा की भी घोषणा की। फिलहाल मोबाइल फोन, चमड़ा, फेरो-निकल, ब्लिस्टर कॉपर और पेट्रोल उत्खनन गतिविधियों समेत कई क्षेत्रों में सीमा शुल्क या तो समाप्त कर दिया गया है या फिर बहुत कम कर दिया गया है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि 25 अहम खनिजों को सीमा शुल्क से मुक्त कर दिया गया है। इससे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में देश की घरेलू उत्पादक क्षमता को मदद मिलेगी और साथ ही अन्य रणनीतिक उद्योगों मसलन रक्षा और ई-मोबिलिटी में भी यह मददगार होगा। यह बदलाव देश की व्यापार नीति में संरक्षणवाद और आयात प्रतिस्थापन के जगह बना लेने के कई वर्ष बाद आया है। आयात में कमी करने के प्रति झुकाव को 2018 के बजट में ही देखा जा सकता है। घरेलू उद्योगों के संरक्षण और रोजगार निर्माण बढ़ाने के लिए 40 से अधिक आयात पर टैरिफ को बढ़ाया गया। इसमें वाहन कलपुर्जे से लेकर मोमबत्ती और फर्नीचर तक सब शामिल थे। पहले भारत ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों मसलन मोबाइल फोन के कलपुर्जों, टेलीविजन और माइक्रोवेव ओवन पर आयात शुल्क बढ़ाया। 2010-11 से 2020-21 तक भारत की औसत शुल्क वृद्धि काफी बढ़ गई। देश के टैरिफ लाइन के अनुपात मे 15 फीसदी से अधिक इजाफा हुआ और यह 11.9 फीसदी से बढ़कर 25.4 फीसदी पर पहुंच गई। सरकार ने सीमा शुल्क को आगे राजस्व जुटाने का उपाय नहीं मानकर बढ़िया किया है। अब यह बात अच्छी तरह स्वीकार्य है कि केवल व्यापारिक खुलापन ही भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अहम हिस्सेदार बना सकता है। मिसाल के तौर पर स्मार्टफोन और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में। भारत का मोबाइल फोन निर्यात 2023-24 में 15.6 अरब डॉलर हो गया जबकि 2022-23 में यह 11.1 अरब डॉलर था। पिछले वर्ष देश ने 102 अरब डॉलर मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक सामान का निर्माण किया। इसके बावजूद निर्यात वृद्धि मोटे तौर पर देश में विनिर्माण के बजाय असेंबली तक सीमित है। लीथियम आयन सेल्स या सेमीकंडक्टर चिप्स जैसे घटकों का निर्माण भारत में नहीं हो रहा है। अधिकांश वास्तविक मूल्यवर्द्धन चीन, दक्षिण कोरिया, जापान और वियतनाम जैसे देशों में हो रहा है। गैर टैरिफ गतिरोध भी ऊंचे हैं। विश्व व्यापार संगठन द्वारा वर्ल्ड टैरिफ प्रोफाइल 2024 में जारी आंकड़े बताते हैं कि भारत एंटी डंपिंग शुल्क लगाने के मामले में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। 2023 में भारत ने 45 एंटी डंपिंग जांच शुरू कीं और 14 मामलों में शुल्क लगाया जबकि देश में 133 एंटी डंपिंग उपायों ने 418 उत्पादों को प्रभावित किया। प्रतिपूरक शुल्क भी बहुत अधिक हैं। 2023 में भारत ने 17 मामलों में प्रतिपूरक शुल्क लगाए जिन्होंने 28 उत्पादों को प्रभावित किया। एक निर्यातक के रूप में भारत के खिलाफ 173 उत्पादों के मामले में कुल 44 प्रतिपूरक कदम हैं। विश्व व्यापार संगठन के आंकड़ों के अनुसार भारत की औसत शुल्क दर 2022 के 18.1 फीसदी से कम होकर 2023 में 17 फीसदी रह गई।

कोचिंग सेंटर के कारनामों का काला चिट्ठा देश के सामने आना चाहिए

बेसमेंट में तैयारी करवाने वाले कोचिंग सेंटर के मालिक को पता नहीं था कि बेसमेंट में पानी भरने की समस्या आ सकती है। एक कोचिंग की बेसमेंट में नौजवान पढ़ाई कर रहे थे, जब अचानक घुसे तेज पानी ने मौत का रूप धर लिया। बहुत से लोगों ने भागकर जान बचाई, लेकिन तीन नौजवान इस हादसे में मारे गए। कुछ दिन पहले दिल्ली के ही एक इलाके में बारिश के दौरान करंट दौड़ने से एक नौजवान की मौत हो गई थी। इन दोनों घटनाओं ने इस तरफ ध्यान खींचा कि देश के अलग-अलग इलाकों से राजधानी दिल्ली में आए स्टूडेंट किन हालात में जीवन बसर कर रहे हैं? दिल्ली ही नहीं देश भर के सभी कोचिंग सेंटर कोरे हवाबाजी है। कितने दूध के धुले हुए हैं आप ये बात सिर्फ इस तथ्य से साफ हो जाती है कि आपके पास बेसमेंट में कोचिंग चलाने का कोई परमिट नहीं है, फिर भी आप बेसमेंट में कोचिंग चला रहे हैं। नॉर्म्स साफ नहीं हैं, और आपके पास एनओसी नहीं हैं इसका मतलब कदापि ये नहीं है कि आप खुद के नियम बना लो। एथिक्स कहती कि व्यक्तिगत नैतिकता और प्रशासनिक नैतिकता के बीच में अस्पष्टता होने पर एक जिम्मेदार व्यक्ति को प्रशासनिक नैतिकता को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए। कहाँ गया अब ये वाला ज्ञान? जिस कोचिंग में घटना हुई उसमें तो सिर्फ 30 बच्चे बेसमेन्ट में बैठे थे।अन्य कोचिंग में तो 2000-2500 बच्चे बेसमेंट में बैठते हैं। यही घटना अगर वहां होती तो कोचिंग में होते तो क्या होता। सचमुच यह मनुष्य और मनुष्यता का पाषाणयुग है। सरकारों, राजनेताओं, अफसरों और व्यापारियों का लेनदेन युग। एक घराट की तरह इनकी नृशंसता और स्वार्थ के पूड़ घूम रहे हैं जिनमें आमजन और देश के युवा पिस रहे हैं। इस पूरे प्रकरण में एक कार चालक को दोषी ठहराया गया। सरकार का कहना है कि रोड में पानी भरा रहा, एक कार निकली इस वजह से

वह पानी हिल गया और बेसमेंट में चला गया। दोषी न सरकार है न कोचिंग सेंटर मालिक बल्कि दोषी है कार चालक कि वह सड़क पर कार क्यों चला रहा था। यह है हमारी कानून व्यवस्था और यह है हमारी न्याय व्यवस्था। इस घटना ने भारत की राजशाही, ब्यूरोक्रेसी, मीडिया और जूडीशियरी सबको एक साथ नंगा कर दिया है। यहाँ एक आम आदमी, एक आम युवा की जान की कीमत शून्य होती है। सब सो रहे हैं और अंधेर नगरी चौपट राजा की भाँति जब कभी ऐसी कोई घटना होती है तो जनता में से ही किसी एक को पकड़ कर सजा सुना दी जाती है। गनीमत है बच्चों के पैरेंट्स को जेल नहीं भेजा कि उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के लिए क्यों भेजा। न वह पढ़ने भेजते न मृत्यु होती। अवैध बिल्डिंग बनती है, तो बुल्डोजर चलता है। क्याकोचिंग सेंटर में भी बुलडोजर चलेगा? आखिर क्यों देश भर में कोचिंग की जरूरत है? क्यों हम इन होनहार बच्चों के लिए ढंग के हॉस्टल नही बनवा सकते। आखिर कितना खर्च होगा या कितने संसाधन लगेंगे इसमें ? ये बच्चे हमारे देश के भविष्य नियंता हैं लेकिन हमारी प्राथमिकता में तभी आयेंगे जब ये किसी बड़े पद पर पहुंच जाएंगे। विडंबना ये है कि यही सिस्टम इन्ही बच्चों को बड़े पदों पर पहुंचने के बाद अपनी असंवेदनशीलता में घेर लेता है जहां ये अपना स्वयं का संघर्ष तुरत फुरत भूल जाते हैं। प्रशासन को मैनेज करने वाले आईएएस अफसरों में से आधे से अधिक ने 10 -15 वर्ष पहले इन्ही बच्चों की जिंदगी जी होगी, लेकिन फिर भी वे इन बच्चों के लिए कुछ कर पाने में या तो समर्थ नहीं हैं, या इसमें इनकी रुचि नहीं है, उनका स्वयं का अतीत भी उनकी प्राथमिकता तय नहीं कर पा रहा है। आखिर हत्यारी कोचिंग की जरूरत क्या है? कोचिंग तो किसी व्यक्ति का निजी होगा।यह गर्वनमेंट का तो लगता नहीं।तो इसके लिए कोई घटना इतने बड़े देश में कहीं किसी का भी लापरवाही से हो, सिस्टम कैसे दोषी हो गया? सिस्टम इस घटना का जांच करवायेगा। और जो भी दोषी होंगे उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो। सरकार और कोचिंग संस्थान वालो को केवल पैसा चाहिए और कुछ नहीं कोई मारे या जीए उससे उनका कोई लेना देना नहीं है। कई दूसरे कोचिंग सेंटर भी बेसमेंट में चला रहे जानलेवा लाइब्रेरी। अगर ऐसे गैर कानूनी तरीके से कोचिंग सेंटर चल रहे हैं तो उस पर कार्रवाई हो और अधिकारी पर भी कार्रवाई हो। ऐसे समय में हमें आरोप-प्रत्यारोप नहीं करना चाहिए बल्कि कार्रवाई करनी चाहिए। सरकार कोचिंग इंस्टीट्यूट्स को रेगुलेट करने के लिए कानूनी लाए और कोचिंग में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स से भी इस पर सुझाव लिया जाए। रेगुलेटर द्वारा कोचिंग संस्थानों की फीस पर भी नजर रखी जाए। किसी जमाने में जीनियस से जीनियस स्टूडेंट के भी 90% से ऊपर नंबर नहीं आते थे, आज साधारण बुद्धि वाला भी 99% नंबर ले आता है, यह सब खेल कोचिंग सेंटर ओर प्राइवेट स्कूलों वालों का है, पेपर लीक, परीक्षा सेंटर और रिजल्ट बनाने वालों से इनकी मिली भगत रहती है। कोचिंग सेंटर के कारनामों का काला चिट्ठा देश के सामने आना चाहिए।

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,

उधम सिंह सरदार

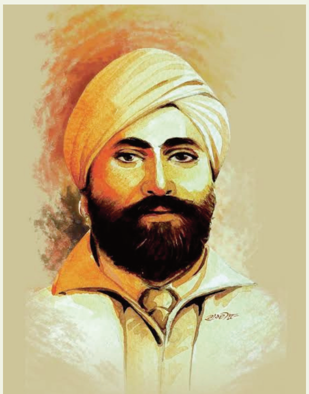
Sardar Udham Singh

आन-बान थे देश की,
उधम सिंह सरदार।
सौरभ' श्रद्धा सुमन रख,
उन्हें नमन शत बार।।

वैशाखी की क्रूरता,
लिए रहे बेचैन।
ओ डायर को मारकर,
मिला हृदय को चैन।।

बर्बरता को नोचकर,
कर ओ डायर ढेर।
लन्दन में दहाड़ उठा,
भारत का ये शेर।।

बच्चा-बच्चा अब बने,
उधम सिंह सरदार।
दुश्मनों के पर कटे,
काँप उठे गद्दार।।

बसंती चोला रंग दे,
गाये सब इंकलाब।
गाथा वीरों की गढ़े,
रचे गीत नायाब।।

उधम जैसे शहीद सब,
वार गए जो शीश।
याद उन्हें हम सब रखें,
यही हमारे ईश।।

-डॉ सत्यवान सौरभ

इंडिया-हाउस में लगा भारतीय एथलीटों का जमावड़ा, नीता अंबानी ने किया सम्मानित

सरबजोत सिंह, रोहन बोपन्ना, शरत कमल, मनिका बत्रा और अर्जुन बाबूता जैसे शीर्ष भारतीय एथलीट इंडिया हाउस पहुंचे

भारत/पेरिस. शाबाश इंडिया। पहले कुछ दिनों में ही दो पदक जीत कर भारत ने पेरिस ओलंपिक में शानदार शुरूआत की है। भारतीय खिलाड़ी बड़ी तादाद में डे ला विलेट पार्क में बने इंडिया हाउस पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। कांस्य पदक विजेता सरबजोत सिंह, रोहन बोपन्ना, शरत कमल, मनिका बत्रा और अर्जुन बाबूता जैसे शीर्ष भारतीय एथलीटों को इंडिया हाउस में सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों से गर्मजोशी से मिलते हुए आईओसी सदस्या और रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता एम अंबानी ने कहा, ''ओलंपिक में पहली बार बने इंडिया हाउस में आपका स्वागत है! भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कई भारतीय खिलाड़ी आज यहां मौजूद हैं। आप में से हर एक ने हमारा सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। दूसरा पदक जीतकर हमें गौरवान्वित करने वाले मनु भाकर और सरबजोत सिंह को विशेष धन्यवाद। सरबजोत सिंह आज हमारे साथ हैं और हमें उनका खड़े होकर अभिवादन करना चाहिए।'' ढोल की थाप के साथ खिलाड़ियों का स्वागत पारंपरिक भारतीय टीका लगा कर किया गया। नीता अंबानी ने सभी खिलाड़ियों के प्रयासों और दुनिया के सबसे बड़े खेल मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए आभार जताया। ओलंपिक आंदोलन का समर्थन करने के लिए इंडिया हाउस में डिजिटल ज्योति भी जलाई गई।

4 अगस्त को मनाया जायेगा 53वां अवतरण दिवस महोत्सव- गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुन्सी. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र गुन्सी राजस्थान की पावन धरा पर परम पूज्या भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में आज की शांतिधारा कराने का सौभाग्य द्वितीय मुख्य कलश कर्ता कंवरपाल जैन जयपुर वालों ने प्राप्त किया। पूजा-भक्ति की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए भक्तों ने भक्ति भावों के साथ प्रभु चरणों में अर्ध्य समर्पित किए। धर्मचंद जैन कल्याण नगर जयपुर, नवीन चंवरिया वाले निवाई, अनिल भाणजा निवाई सपरिवार को आर्यिका संघ की आहार चर्या निर्विघ्न सम्पन्न कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। तत्पश्चात सवाई माधोपुर, टोडारायसिंह के भक्तों ने पूज्य गुरूमाँ का मंगल आशीष प्राप्त किया। श्रावक के मुख्य दो कर्तव्यों को प्रवचन के माध्यम से समझाते हुए माताजी ने कहा कि - दान और पूजा इन दो कर्तव्यों का निर्वाहन जीवन का सबसे मूल सिद्धांत है। चातुर्मास समिति द्वारा पूज्य गुरूमाँ के 53 वें अवतरण दिवस महोत्सव के विषय में विचार-विमर्श किया गया। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष सन्मति चँवरिया , महावीर पराणा निवाई ने बतलाया कि आगामी 4 अगस्त 2024 रविवार के दिन दोपहर 1 बजे से अवतरण दिवस महोत्सव का आयोजन भव्यता के साथ किया जायेगा ।

गुलाबी नगरी में साहित्यकारों का मेला

जयपुर. शाबाश इंडिया। कलमकारों के अन्तर्राष्ट्रीय संगठन अथाई साहित्य एवं संस्कृति समन्वय समूह का द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सम्मान समारोह रविवार दिनांक 4 अगस्त को गुलाबी नगरी जयपुर स्थित महावीर नगर में आयोजित है। अधिवेशन में भाग लेने देश भर से साहित्यकार जुट रहे हैं ।समारोह के मुख्य अतिथि जस्टिस एन. के. जैन (पूर्व अध्यक्ष मानवाधिकार आयोग मध्य प्रदेश) होंगे समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार श्री कृष्ण कल्पित पूर्व निदेशक दूरदर्शन दिल्ली तथा सारस्वत अतिथि मोहतरमा रेशमा खान आकाशवाणी, जयपुर होगी। समारोह के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार नंद भारद्वाज, फारूक अफरीदी तथा डा.संजीव भानावत होंगे । अन्य अनेक समाज सेवी व गणमान्य महानुभाव मंच की शोभा बढाएंगे। समारोह तीन सत्रों में संपन्न होगा। इन सत्रों में विभिन्न वक्ताओं के विचार तो सुनने मिलेंगे ही साहित्यकारों से रूबरू होने के साथ उनके सम्मान व रात्रि कालीन तृतीय सत्र में काव्य पाठ में सहभागी बनेंगे। इस अवसर पर जबलपुर के साहित्यकार राजेश पाठक प्रवीण को बुंदेलखंड गौरव व जोधपुर की शोभा टण्डन को डा.अखिल बंसल वाग्मिता सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। समारोह को सफल बनाने वरिष्ठ पत्रकार मिलापचंद डण्डिया,पूर्व प्रशासनिक अधिकारी डॉ एन के खींचा, गोपाल प्रभाकर एवं अथाई के निदेशक डॉ अखिल बंसल प्राण पण से जुटे हुए हैं।

गुरु भक्ति की बदौलत मिलती है सारी दोलत: आचार्य श्री विमर्श सागर जी

नई दिल्ली। गुरु से शुरू होती है एक यात्रा, भक्ति भी। गुरु से शुरू होती है एक यात्रा श्रद्धा की, गुरु से शुरू होती है एक यात्रा आनंद की, गुरु से शुरू होती है एक यात्रा आत्मा से परमात्मा बनने की। गुरु सीढ़ी की तरह होते हैं और परमात्मा मंजिल की तरह होते हैं।जिन्हें सीढ़ी प्राप्त हो जाती है उनकी मंजिल को पाने की यात्रा सुगम, सहज और सरल हो जाया करती है।उक्त उद्गार परम पूज्य जिनागम पंथ प्रवर्तक आदर्श महाकवि भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज ने कृष्णानगर जैन मंदिर दिल्ली में धर्म सभा को संबोधित करते हुये व्यक्त किये। आचार्य श्री ने गुरुभक्ति की महिमा बताते हुये कहा कि - जिसके हृदय में गुरुभक्ति का भाव होता है वह गुरु के प्रति इतने समर्पण के भाव से भरा होता है कि उतरते अगर कोई पूंछे कि तीन लोक भी संपदा और गुरु चरण में से तुम किसे चुनोगे तो गुरु भक्ति से भरा हुआ बह गुरुभक्त तीन लोक की संपदा को छोड़कर गुरु चरणों भी उस दौलत को स्वीकार करेगा। जिसकी बदौलत दुनिया की सारी दौलत प्राप्त होती है। गुरुभक्ति से जीवन फूलों की तरह महकने लगता है। आत्म हित भी ओर कदम बढ़ाने से पहले गुरु की ओर कदम बढ़ाना जरूरी है। धन्य हैं वे जीव जिन्हें सुबह होते ही प्रभु और गुरु के दर भी याद आती है। प्रभु या गुरु के दर तक पहुँचना तो सरल है पर गुरु तक पहुंचने के बाद गुरु को पाना बहुत कठिन बात है। भगवान ऋषभदेव के ज्येष्ठपुत्र चक्रवर्ती भरत जिनके नाम से आज हमारा देश भारत कहलाता है उनका पुत्र मारीचि साक्षात समोशरण में प्रभु को पाकर भी वह गुरु को नहीं पा सका। जब भी सद्गुरु के पास जाने का सौभाग्य जगे तो गुरु से अपना भविष्य मत पूछना, बरस इतना ही पूछना कि मैं आपकी भक्ति के लायक बन पाया हूँ या नहीं। आप मुझे हमेशा अपने चरणों का सेवक बनाये रखना। ये वो भावना है जो आपके जीवन को श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम बना देगी।

श्री दिगंबर जैन जौहरी बाजार महिला समिति द्वारा सावन की गोठ का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन जौहरी बाजार महिला समिति का मनमोहक कार्यक्रम सावन की गोठ का आयोजन सिरसी रोड स्थित राज वाटर पार्क में किया गया। अध्यक्षा डॉ शीला जैन, मंत्री पुष्पा सोगानी के सानिध्य में करीब 250 महिलाओं ने स्विमिंग, पानी की लहरों, रेन डांस, के साथ कढ़ी कचौड़ी और जायकेदार भोजन का लुत्फ उठाया।इन सबसे ऊपर करीब 150 इनामों की बारिश ने महिलाओं का उत्साह दो गुना बढ़ा दिया।इस कार्यक्रम के संयोजन की बागडोर चम्पा गोधा, कविता अजमेरा, उमा पाटनी, सुधा शाह, कला जी कासलीवाल,रीना ठोलिया,ऋतु पापड़ीवाल, अर्चना पाटनी, आरती सोनी, बबीता सोगानी, मीनाक्षी सोनी ने बखूबी संभाली। कार्यक्रम के अंत में मंत्री महोदय ने सभी मुख्य अतिथियों का तथा सयोजकों को धन्यवाद प्रेषित किया।

मुनि दर्पण निशुल्क मासिक संपादक ने आचार्य श्री पुलक सागर गुरुदेव का आशीर्वाद लिया

डडूका. शाबाश इंडिया

डडूका से प्रकाशित निशुल्क मासिक पत्रिका मुनि दर्पण के प्रधान संपादक अजीत कोठिया ने ऋषभ देव मे चातुर्मासरत राष्ट्र संत आचार्य पुलक सागर गुरुदेव से आगामी दीपावली विशेषांक पुलक सागर विशेषांक के रूप मे प्रकाशित करने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आचार्य श्री ने मुनि दर्पण के खुणादरी विशेषांक का अवलोकन कर डिजिटल मीडिया के दौर मे निशुल्क मासिक प्रकाशन के लिए अजीत कोठिया के प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर प्रख्यात कवि बलवंत बल्लू, सुंदर लाल पटेल, विष्णु प्रसाद रावल, अशोक माली, जगदीश जोशी, मणिलाल सूत्रधार, विनोद रावल, जीवन राम पाटीदार, विजय पाल गहलोत, केसरीमल भरड़ा, जनार्दन राय नागर तथा राजेन्द्र महवाई सहित कई भक्तजन उपस्थित थे। उल्लेखनीय है मुनि दर्पण पत्रिका का विगत 15वर्षो से निशुल्क प्रकाशन किया जा रहा है।

महिला जागृति संघ की अयोध्या की धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला जागृति संघ की अयोध्या, श्रावस्ती, वाराणसी,व सारनाथ की यात्रा, शशी जैन, सरोज जैन के निर्देशन में सकुशल व उत्साह के साथ पूरी हुई । 136 सदस्य की यात्रा में ईश्वर दास जी का व शारदा सोनी, राजकुमारी, साधना काला, निर्मला गंगवाल,रेखा, कुसुम का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

सुजलांचल विकास मंच समिति के जन सेवा प्रकल्प के तहत आमजन की सुविधार्थ मोर्चरी फ्रिज भेंट किया

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ निवासी डूंगरमल अरुणा देवी गंगवाल एवं उनके सुपुत्र मनीष विकास गंगवाल कोलकाता मुंबई प्रवासी ने मानव सेवा को अति उत्तम कर्म मानकर प्रवासी निवासी भामाशाओ के सहयोग से संचालित सुजलांचल विकास मंच समिति के जन सेवा प्रकल्प के तहत आमजन की सुविधार्थ मोर्चरी फ्रिज भेंट किया ।इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सड़ूवाला, उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा ,पूर्व अध्यक्ष विमल कुमार पाटनी , प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य संतोष गंगवाल, समिति सचिव विनीत कुमार बगड़ा, उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी मौजूद रहे।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल ने स्कूल के बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल द्वारा स्कूल के विद्यार्थियों को पढ़ाई में काम आने वाली सामग्री का वितरण किया गया। अध्यक्ष मधु ललित बाहेती व सेक्रेटरी राधा खुवाल ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरजपोल में कक्षा पहली और दूसरी के छात्रों के लिए लायन रेखा कहलिया के सौजन्य से हिंदी, इंग्लिश व मैथ्स की 150 नोट बुक्स, पेन, पेंसिल, रब्बर सेट वितरण किए गए। कोषाध्यक्ष नीलम तापड़िया ने बताया कि लायन ललित बाहेती के सौजन्य से आंगनबाड़ी के शिशुओं के लिए जूस और चिप्स के पैकेट्स बांटे गए। रीजन चेयरमैन दिनेश खुवाल, श्यामलाल गुप्ता, पी. के. सिंघल, पुरुषोत्तम चित्तौड़ा, चंदा बरवाडिया उपस्थित रहे। अध्यापिका मधु शर्मा ने क्लब सदस्यों के कार्य की सराहना की।

स्कूल बैग,पाठ्य पुस्तक, स्टेशनरी वितरण किया

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ निवासी स्वर्गीय अमराव देवी बगड़ा की पुण्य स्मृति में निहालचंद , महेंद्र कुमार, महेश कुमार बगड़ा ईटानगर गुवाहाटी के सौजन्य से श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ द्वारा संचालित श्री महावीर विद्या मंदिर में छात्र छात्राओं को स्कूल बैग,पाठ्य पुस्तक, स्टेशनरी वितरण का कार्यक्रम रखा गया।सर्वप्रथम आगंतुक अथितियो द्वारा विधा की देवी मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर व णमोकार महामंत्र के उच्चारण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सड़ूवाला ने उपस्थित छात्र छात्राओं को अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन में किताबी ज्ञान के साथ संस्कारयुक्त ज्ञान के साथ जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। व पुनीत प्रकल्प हेतु बगड़ा परिवार का धन्यवाद प्रकट किया। समाजसेवी डूंगरमल गंगवाल कोलकाता प्रवासी ने कहा कि कोई भी कार्य मुश्किल नही होता उसको करने की इच्छा शक्ति मन में होनी चाहिए। महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन में सफलता हासिल कर देश व समाज का नाम रोशन करना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन समाज के संरक्षक विमल कुमार पाटनी,मंत्री पारसमल बगड़ा, उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा, प्रबंध कार्यकारणी सदस्य संतोष कुमार गंगवाल ,सामाजिक कार्यकर्ता विनीत कुमार बगड़ा उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के व्यवस्थापक महावीर प्रसाद पाटनी ने आगंतुक अथितियो व समस्त बगड़ा परिवार का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की प्रधानाध्यापिका संगीता शर्मा ने किया।

कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण अभियान

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई सामाजिक मुहिम मातृभूमि के नाम पर एक पेड़ के तहत दक्षिण पश्चिमी कमान मुख्यालय और आर्ट ऑफ लिविंग सोशल प्रोजेक्ट्स के सहयोग से जयपुर सैन्य स्टेशन में पेड़ लगाए गए और कारगिल के बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। देश के वीर जवानों की वीरता और बलिदान के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वंद्रा, सीओएस ने सेना के जवानों तथा अन्य आर्मी अफसर और दिग्गजों और आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर के स्वयंसेवकों के साथ वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया। आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक कैप्टन विमल जैन जी ने बताया की आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर परिवार की सेना के साथ यह पहली सामाजिक परियोजना है। गौरतलब है की आर्ट ऑफ लिविंग स्वयंसेवक शहर में जगह जगह पौधारोपण अभियान के तहत पेड़ लगा रहे हैं ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

शिक्षण के साथ प्रशिक्षण भी जरूरी होता है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। शिक्षण के साथ प्रशिक्षण भी जरूरी होता है। बुधवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर मे नौ दिवसीय आनन्द जन्मोत्सव के चतुर्थ दिवस विशाल प्रवचन धर्मसभा मे श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज ने कहा कि आचार्य आनंद ऋषिजी व्यक्ति नहीं, शक्ति थे। उन्होंने दीक्षा के बाद ज्ञान साधना की शुरूआत की। न्याय, दर्शन, साहित्य का अध्ययन किया। रत्न ऋषि महाराज से उन्होंने मूलभूत ज्ञान सीखा। उन्होंने कहा शिक्षा के साथ प्रशिक्षण भी जरूरी होता है। गुरु जो भी शिक्षा देते थे, शिष्य उसकी कोई शिकन तक नहीं लाते थे। ऐसा प्रशिक्षण होना चाहिए। गुरुदेव जानते थे कि आनंद ऋषि को पावर हाउस बनाना है। छन्नी पर हथौड़ी की मार सहन करने वाला ही मजबूत पत्थर होता है। उन्होंने कहा जब तक अपने आप पर विजय नहीं पाते, हम हमारे शत्रु हैं। स्वयं को जीतकर ही कषायों व इंद्रियों पर विजय पा सकते। अगर हमने किसी को बाहरी शत्रु माना तो उससे हमारे अंदर द्वेष का भाव आता है। उस भाव के साथ हम बंध जाते हैं। व्यक्ति केवल राग की डोर से ही नहीं बंधता, द्वेष भी एक मजबूत हथकड़ी है। उन्हें पकड़कर हमारे जन्म मरण चलते रहते हैं। शास्त्रकार कहते हैं केवल एक हम स्वयं को जीत लेते हैं तो अन्य कषाय अपने आप नष्ट हो जाएंगे। उन्होंने कहा मुंडन 10 प्रकार के होते हैं, 5 इंद्रियां, 4 कषाय और एक मन का मुंडन। मन को हमें जीतना है। उन्होंने कहा संगीत सीखने के लिए सारेगामा सीखना पड़ता है। आनंद ऋषिजी के मुख से कभी फिल्मी राग का काव्य पाठ नहीं हुआ। यदि सामने वाला व्यक्ति आवेश में हो तो कुछ समय के लिए उसे छोड़ देना। बड़ों से आज्ञा लिए बिना कोई कार्य नहीं करना। एक छोटी चीज को भी हमारे यहां हाथ लगाना अदत्तादान यानी चोरी कहलाता है। जो पर परिवारवाद, निंदा करता है, वह अपने माथे पर ले लेता है तो मोहनीय कर्म का बंध करता है। उन्होंने कहा बच्चों को डांटना महत्वपूर्ण नहीं है, उनके भविष्य का सोचना महत्वपूर्ण है। जहां जरूरत है, वहां आपको उचित बात कहनी आनी चाहिए। प्रशिक्षण में कठोरता होनी जरूरी है लेकिन वह नारियल जैसी होनी चाहिए। रत्न ऋषि महाराज अंदर से नरम और बाहर से कठोर प्रतीत होते थे। आनंद ऋषिजी ने दीक्षा लेते ही पांचों तिथियों को एकासना, आयंबिल करने का संकल्प लिया। उस महापुरुष का स्मरण करते हैं तो हमारा रोम- रोम प्रफुल्लित हो उठता है। जैन महासंघ के महामंत्री धमीचंद सिघंवी ने बताया मुम्बई डोम्बिवली कल्याण श्री संघ के अध्यक्ष बंसतीलाल चपलोत, श्याम कागरेचा,धर्मेन्द्र मादरेचा, नरेन्द्र राजावत,मनोहर बड़ाला, राजु कोठारी,राजेश सियांल, अनमोल नाहर,दिलीप कच्छारा आदि अतिथियों की धर्मसभा मे उपस्थित रही इन्होंने चातुर्मास प्रश्चात मुम्बई पधारने की युवाचार्य महेन्द्र ऋषि जी विनती रखी। महामंत्र नवकार जाप के लाभार्थी देवराज लुनावत परिवार थे। कमल छल्लाणी ने धर्मसभा का संचालन किया।

मुक्ति का लक्ष्य पाना है तो जीवन में कम करे मन,वचन व काय का परिस्पंदन: आचार्य सुंदरसागर महाराज

हम कामना सुख की करते लेकिन हमारे कार्य होते दु:ख बढ़ाने वाले

शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

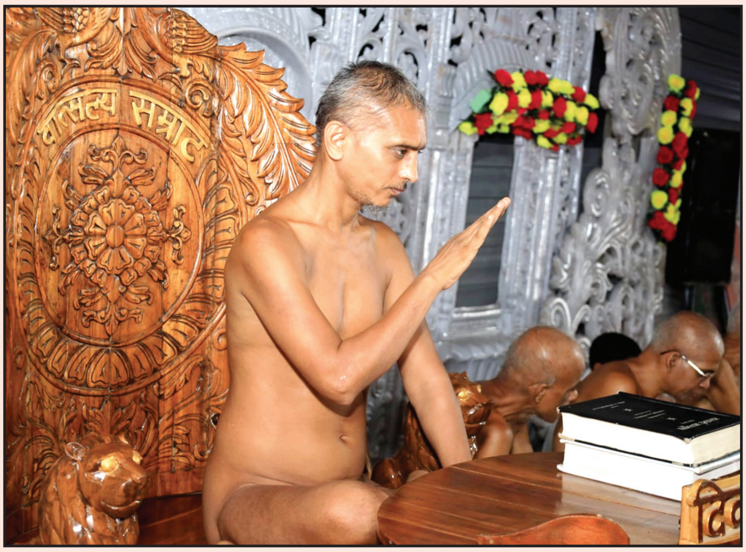

भीलवाड़ा। इस जगत में हर भव्यात्मा में स्वयं के अंदर की भगवत्ता को प्रकट करने की क्षमता है। इसके लिए आपको अपने चरित्र एवं श्रद्धाबल को उंचा उठाते रहना होगा एवं मोह कम करते जाना होगा। हम जब तक मोहपाश में बंधे रहेंगे स्वयं को नहीं पहचान पाएंगे ओर अपना कल्याण नहीं कर पाएंगे। जब हम अपने अंदर के देवत्व को जान लेंगे तब हम स्वयं को पहचान पाएंगे ओर अपने श्रेष्ठ कर्मो के द्वारा गुणस्थान में अभिवृद्धि कर पाएंगे। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक(वर्षायोग) प्रवचन के तहत बुधवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन में मुक्ति का लक्ष्य प्राप्त करना है तो मन,वचन व काय के परिस्पदंन को कम करना होगा। आपके जीवन में जितनी विशुद्धि बढ़ती जाएगी उतना ही आपका गुणस्थान बढ़ता जाएगा। निरन्तर ऐसी ही साधना करते रहने पर एक दिन यह भगवत्ता प्रकट करने के साथ मोक्ष मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। आचार्यश्री ने कहा कि बिना तप,त्याग,साधना के हम आत्मकल्याण का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते। जो तप,त्याग में स्वयं को समर्पित कर देता है उसका जीवन सुंदर व अनुकरणीय बन जाता है। इससे पूर्व धर्मसभा में आर्यिका माताजी ने प्रवचन देते हुए हम सुख की कामना करते है लेकिन कार्य ऐसे करते है जो दु:ख को बढ़ाते है। सुख चाहिए तो दु:ख के कर्म त्यागने होंगे। हम जीवन में दुख ओर सुख के कर्म को समझना होगा। हम उन निमितों व हेतुओं से दूर रहना होगा जो दु:ख की तरफ ले जाते है। इच्छाओं पर नियंत्रण करने के साथ रसेन्द्रिय पर भी काबू रखेंगे तो जीवन में चिंतन का स्तर उच्च होगा ओर सुख की अनुभूति कर पाएंगे। संसार में शरण लेनी है तो देव,शास्त्र व गुरू की ले जो सच्चे शरणदाता है उसके अलावा हमे कोई शरण नहीं दे सकता। सभा में संतोषकुमार नीरज बड़जात्या, सोहनलाल मयंक गंगवाल, महावीरकुमार संदीप बाकलीवाल एवं नवीन्द्र पाटनी(अजमेर वाले) का चातुर्मास में मंगलकलश पुण्यार्जक बनने पर समाज द्वारा स्वागत अभिनंदन करते हुए इस पुनीत कार्य के लिए हार्दिक अनुमोदना की गई। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि धर्मसभा के प्रारंभ में बाहर से पधारे भक्तगणों द्वारा दीप प्रज्वल करने के बाद पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट किए गए। धर्मसभा का संचालन पदमचंद काला ने किया। समिति के मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों से प्रवचन लाभ पाने के लिए श्रावक-श्राविकाएं सुपार्श्वनाथ पार्क पहुंच रहे है। वर्षायोग के नियमित कार्यक्रम श्रृंखला के तहत प्रतिदिन सुबह 6.30 बजे भगवान का अभिषेक शांतिधारा, सुबह 8.15 बजे दैनिक प्रवचन, सुबह 10 बजे आहार चर्या, दोपहर 3 बजे शास्त्र स्वाध्याय चर्चा, शाम 6.30 बजे शंका समाधान सत्र के बाद गुरू भक्ति एवं आरती का आयोजन हो रहा है।

भागचंद पाटनी
मीडिया प्रभारी

मृत्यु उपरांत भी हमारे संस्कार हमारे साथ रहते हैं: मुनि प्रणम्य सागर महाराज

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन, पार्श्वनाथ कथा में उमड़े श्रद्धालु। मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर गुरुवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के नवें भव के बारे में बताया। मरुभूति का जीव माहे के व्यामोह एवं आंतर्ध्यान के कारण मरकर अगले भव में वज्र घोष हाथी हुआ। आज के प्रसंग में मरुभूति के जीव का मरकर वज्रघोष हाथी बनना, साथ में राजा अरविन्द को वैराग्य होकर निर्गन्थ मुनि बनना और वज्रघोष हाथी का पूर्व भव के स्मरण का संजीव मंचन किया गया ।कथा के दौरान सजीव पात्रों ने मनमोहक अभिनय कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मुनि श्री ने इस मौके पर बताया कि मृत्यु उपरांत भी हमारे संस्कार हमारे साथ रहते हैं। गति से गत्यान्तर का क्रम अपने कर्मो से ही चलता है। यदि हम सब पुनर्जन्म के सिद्धांत को समझ जाए तो यह लगेगा कि इसे पहले भी जीया था और आगे भी जीना है। शरीर - सम्पदा-राज-ठाठ सब केवल आसार हैं। मुनि श्री द्वारा श्रद्धालुओं को अर्हम ध्यान योग के अन्तर्गत अरिहंत परमेष्ठी का ध्यान करवाया गया। इससे पूर्व मनीष - रचना चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात अतिशय क्षेत्र रानीला के प्रधान समाजश्रेष्ठी तिलक जैन एवं परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं उन्हें शास्त्र भेट कर पुण्यार्जन किया गया। इस मौके पर जस्टिस नरेन्द्र कुमार जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, मुनि भक्त कुशल ठोलिया, प्रदीप चूडीवाल, पं. विमल जैन बनेठा, मधु ठोलिया सहित मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन,संयुक्त मंत्री मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी,एडवोकेट राजेश काला, अशोक गोधा सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन से जुड़े हुए विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गुरुवार 1 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

उठावना

हमारी पूजनीय

श्रीमती जय कुमारी चोरड़िया जी

धर्मपत्नी श्री राज कुमार चोरड़िया

का देवलोकगमन दिनांक 30.07.2024 को हो गया है।
उठावना (आगमन- प्रस्थान) गुरूवार 01.08.2024 को
सायं 4:30 से 5:00 बजे तक मोती डूंगरी, दादाबाड़ी, जयपुर पर रखा है।

शोकाकुल

राजकुमार (पति), अभय कुमार-बिमला, यशवंत कुमार-पुष्पा, पदम कुमार-सुषमा,
सुनील कुमार-मंजू (देवर-देवरानी), प्रवीण कुमार-संगीता (पुत्र-पुत्रवधू),
दीपक -नीलू, आशीष -छवि (भतीजे-बहु), प्रीति -वीरेंद्र गोलछा (पुत्री -दामाद),
प्रेक्षा, मुस्कान (पौत्री), प्रणव-प्राची (दोहिता-वधु), वैभव (दोहिता),
पीहर पक्षः- राजेंद्र जी, महेंद्र जी, सुरेंद्र जी, अक्षय जी, समस्त खीवसरा परिवार

Godha

प्रतिष्ठानः जी सी इलेक्ट्रानिक्स, जयपुर ,9820488136,9314510012,9829056960